# कार्यालय मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव, उदयपुर

क्रमांकः एफ( )तक. / मुवसं / वजी / उदय / 2022–23 / 2500 दिनांकः 29-11-2022

निमित्त,

उप वन संरक्षक,
वन्यजीव राजसमंद

विषयः— "Construction of Bypass Road from NH-8 to Kothaiya & Nathuwas link road, Tehsil-Nathdwara, District-Rajsamand (Rajasthan)" (FP/RJ/ROAD/154137/2022)

प्रसंगः— आपका पत्रांक एफ.एफ.सी.ए. / 2021 / 11839 दिनांक 24.11.2022

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत प्रासंगिक पत्र के क्रम में लेख है कि "Construction of Bypass Road from NH-8 to Kothaiya & Nathuwas link road, Tehsil- Nathdwara, District-Rajsamand (Rajasthan)" (FP/RJ/ROAD/154137/2022) के प्रस्ताव के अवलोकन से निम्न महत्वपूर्ण तथ्य दृष्टिगोचर हो रहे है—

1) प्रस्तावित रोड के सेगमेन्ट 1 एवं वनखण्ड के NH-8 से लगती सीमा के मध्य काफी वनभूमि लगभग 5.10 हेक्टर छोड दी गई है जिस पर भविष्य में निश्चित रूप से अतिक्रमण होने की संभावना रहेगी। जबकि प्रस्तावित रोड का सेगमेन्ट 1 वनखण्ड की सीमा से लिया जा सकता है।

2) प्रस्तावित रोड के सेगमेन्ट 2 एवं वनखण्ड की सीमा के मध्य भी काफी वन क्षेत्र लगभग 5.48 हेक्टर वनभूमि अतिक्रमण होने हेतु छोड़ दी गई है जबकि प्रस्तावित रोड का सेगमेंट 2 वनखण्ड की सीमा से प्रस्तावित किया जा सकता है।

3) आप द्वारा पार्ट II के बिन्दु संख्या—10 में अंकित किया गया है कि उक्त वनभूमि जिस पर रोड प्रस्तावित किया गया है उसका कोई वैकल्पिक रास्ता नहीं है एवं प्रस्ताव में न्यूनतम वनभूमि होने का उल्लेख किया गया है। जबकि उक्त प्रस्तावित रोड का मुख्य उद्धेश्य नाथद्वारा से मावली भटेवर राज्यमार्ग 49 एवं नाथद्वारा से कोठारिया मार्ग को जोडने से है जिससे नाथद्वारा कस्बे में ट्रेफिक कम किया जा सके, विवरणित किया गया है। यदि इन दोनो सडको (मावली एवं कोठारिया जाने वाली) को जोडना ही है तो सबसे उपयुक्त रास्ता, मावली रोड पर चेनेज लगभग 2000 मीटर से वनखण्ड की सीमा से होते—होते, कोठारिया रोड पर उसी चेनेज 4030 मीटर पर समाप्त होगा जोकिलगभग 2.30 रनिंग कि.मी. होगी। उक्तानुसार प्रस्तावित सडक लगभग सीधी होने से सबसे कम लागत में भी निर्मित होगी और प्रस्ताव में वनभूमि भी सम्मिलित नहीं रहेगी। जबकि प्रस्ताव में सम्मिलित सडक की लंबाई लगभग 3.86 कि.मी. दर्शाई है एवं वनभूमिका भी समावेश किया गया है।

उक्त उल्लेखित बिन्दु संख्या 1 एवं बिन्दु संख्या 2 के तहत् महत्वपूर्ण वनभूमि के बीचमे से प्रस्तावित रोड दिये जाने से वनभूमि को अतिक्रमण होने देने के लिए संवेदनशील बनाने का क्या औचित्य है स्पष्ट करे। बिन्दु संख्या 3 के तहत् प्रस्ताव में दर्शाई प्रस्तावित सड़क से मावली व कोठारिया मुख्य सड़क की इस कार्यालय द्वारा प्रस्तावित की गई लिंक रोड की लंबाई लगभग 1.5 कि.मी. कम होने से निमार्ण पर लागत तो कम आयेगी ही, वनभूमि का समावेश भी नहीं होगा फलस्वरूप आप द्वारा उक्त वैकल्पिक सीधी सडक को प्रस्तावित क्यों नहीं किया गया, स्पष्ट करे।

भवदीय

(आर.के.खैरवा)
मुख्य वन संरक्षक,
वन्यजीव, उदयपुर